बच्चों में दस्त के खतरनाक लक्षण

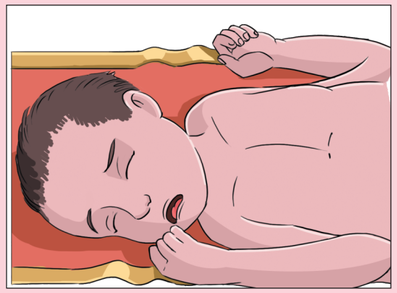

बच्चा एकदम सुस्त या बेहोश

पी नही सकता या कम पी रहा है

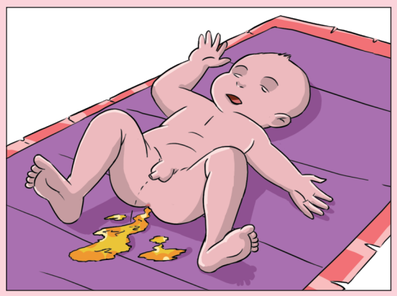

पैखाने में खून

बच्चों में दस्त के खतरनाक लक्षण

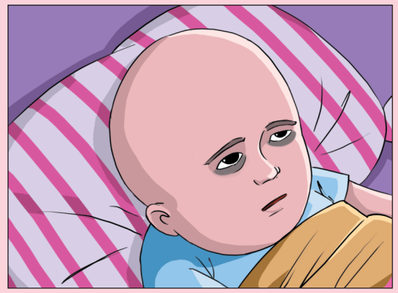

धँसी हुई आँखें

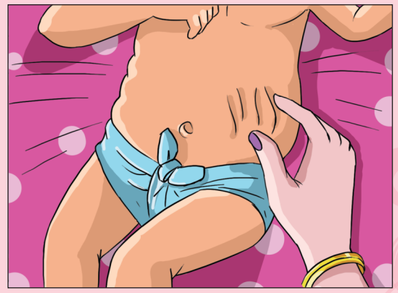

चिकोटी भरने पर त्वचा का बहुत धीरे वापस जाना

ऐसी स्थिति में स्थानीय मितानिन/ए.एन.एम. से सम्पर्क कर तुरंत डॉक्टर के पास या अस्पताल ले जायें

unicef
unite for children

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION

नवजात शिशु की देख-भाल

नवजात शिशु की देख-भाल

- नाभि के ऊपर किसी भी प्रकार की मलहम–पट्टी नहीं की जानी चाहिए। उसे सूखा रहने दें।
- जन्म के बाद शिशु को तुरंत नहीं नहलाना चाहिए। अगर शिशु स्वस्थ हो तो तीन दिन के बाद नहलाया जा सकता है।
- शिशु को साफ एवं मुलायम कपड़े से हल्के से सिर्फ पोछ देना चाहिए। रगड़ कर कभी नहीं पोछना चाहिए इससे शिशु के तापमान में कमी आ सकती है।
- सर्दी के मौसम में शिशु के सिर व पैर को ढक कर रखें एवं ज्यादा कपड़े पहनाकर रखें।
- शिशु को साफ कपड़े में लपेट कर माँ के पास रखना चाहिए जिससे उसे पर्याप्त गर्मी मिल सके।
- शिशु को जन्म के बाद जल्द से जल्द माँ का दूध मिलना चाहिए।
- माँ का पहला दूध (पीला–गाढ़ा दूध/खिरसा) शिशु के लिए अमृत समान है। यह बीमारियों से शिशु की रक्षा करता है।
- स्तनपान बार–बार कराएँ, दिन और रात कराएँ, शिशु जितनी बार चाहे, जितनी देर चाहे, पिलाएँ। बीमारी में भी पिलाएँ और शिशु स्वस्थ हो तब भी पिलाएँ। शिशु को पानी, अन्य पेय या भोजन नहीं दें।
- माँ को सलाह दें कि खुद शौच के बाद और शिशु के शौच को साफ करने के बाद अपने हाथों को साबुन से धो लें।

नवजात शिशु में खतरे के लक्षण

माँ का दूध ठीक से नहीं पी रहा हो

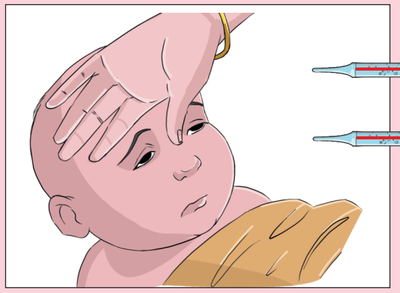

बदन छूने पर ठंडा या गर्म लगता हो (37.50°C से ज्यादा, 35.50°C से कम)

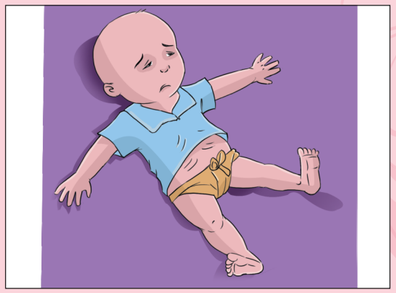

साँस लेने में दिक्कत हो

नवजात शिशु में खतरे के लक्षण

ऐंठन या अस्वभाविक गतिविधि

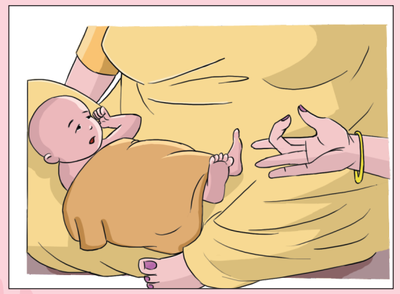

बिल्कुल ही सुस्त हो

ऐसी स्थिति में स्थानीय मितानिन/ए.एन.एम. से सम्पर्क कर तुरंत डॉक्टर के पास या अस्पताल ले जायें